[redacted]

Topic: निबंध Date: 1/9/21

स्वच्छता अभियान

स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण है। यह विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव के सरलतम उपायों में से एक प्रमुख उपाय है। यह सुखी जीवन की आधारशिला है। इसमें मानव की गरिमा, शालीनता और आस्तिकता के दर्शन होते हैं। स्वच्छता के द्वारा मनुष्य की सात्विक वृत्ति को बढ़ावा मिलता है।

साफ-सुथरा रहना मनुष्य का प्राकृतिक गुण है। वह अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ रखना चाहता है। वह अपने कार्यस्थल पर गंदगी नहीं फैलने देता। सफ़ाई उसे रोगों के कीटाणुओं से बचाकर रखती है। इसके माध्यम से मनुष्य अपने आसपड़ोस के पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखता है।

गांधी जी का यही संदेश,
स्वच्छ बने अपना भारत देश।

नाम :- लक्षिता सैनी

कक्षा :- नववी 'ब'

Bansi

11:53

स्वच्छता अभियान .p...

Topic______ Date______ Page______

स्वच्छ भारत अभियान

प्रस्तावना : मनुष्य को पवित्रता, स्वच्छता और सुंदरता पसंद है। स्वच्छता से मनुष्य का जीवन स्वस्थ बनता है। इस कारण स्वच्छता हमारे लिए अनिवार्य है। स्वच्छता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। परंतु स्वच्छता जितनी मूल्यवान है उतना ही कठिन है उसे बनाए रखना। स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए निरंतर श्रम, नियम और साधन की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से हमारा भारत प्राकृतिक रूप से सुंदर होते हुए भी गंदगी और अस्वच्छता का घर बनकर रह गया है।

अभियान का उद्देश्य : वर्तमान सरकार के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक अभियान छेड़ा - स्वच्छ भारत। उनका उद्देश्य था भारत को स्वच्छ बनाना, उस पर से गंदगी का कलंक हटाना। यह अभियान को सफल बनाने में हम सभी को योगदान देना चाहिए।

एक कदम स्वच्छता की ओर

Topic______ Date______ Page______

गंदगी के कारण : भारत में गंदगी के कई कारण है। इधर-उधर म कचड़ा-कूड़ा फेंकना, खुले में शौच करना, कूड़ेदान का उपयोग न करना, साधनों की कमी, प्लास्टिक की थैली, डब्बे का बहुत उपयोग करना। इन सबके गंदगी बढ़ती है।

दुष्परिणाम : गंदगी का दुष्परिणाम यह न होता है कि सब जीवन में बीमारियाँ फैलती है। अस्वच्छता के कारण जीवन में रुचि भी कम हो जाती। अगर

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

नाम - आदित्य
कक्षा - सातवीं ब
अनुक्रमांक - 15
विषय - हिन्दी

" निबंध लेखन प्रतियोगिता "

हिन्दी के बढ़ते कदम

प्रस्तावना :- हिन्दी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। हिन्दी दिवस भारत में हर वर्ष "14 सितंबर को मनाया जाता है। हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ - साथ हिन्दी हमारी "राष्ट्रभाषा" भी है।

हिन्दी भाषा का वर्णन :- कहते हैं कि भाषा में सबसे ज्यादा ताकत होती है क्योंकि इसी से हम एक दूसरे तक विचार पहुंचा सकते हैं और एक तरह से दुनिया के 7.7 बिलियन की आबादी इस भाषा के कारण जुड़ी हुई है। उसी भाषा में एक प्यारी सी हिन्दी भाषा है जिसके हर शब्द से मिठास महसूस होती है। अगर हिन्दी को मुझे कुछ शब्दों में बयान करना हो तो वो कुछ ऐसे होती है।

" संस्कार से सजी- धजी है, सिर पर न्यारी बिन्दी है, इससे प्यारी नहीं है भाषा, सबसे न्यारी हिन्दी है।"

हर साल 14 सितंबर को देशभर में हिन्दी दिवस मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद **14 सितंबर 1949** को संविधान सभा में एक मत से हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित किया गया था। और इसके बाद से हर साल 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। देवनगरी लिपी में लिखी हिन्दी को राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया। आज के समय के अनुमान के मुताबिक **20.1** करोड़ लोग हिन्दी उपयोग करने लगे।

उपसंहार :- हिन्दी भाषा सर्वमान्य है। हिन्दी भाषा से ही हमारे राष्ट्र की पहचान है। हमें अपनी हिन्दी भाषा पर गर्व है। **"जय हिन्द"**

Scanned with CamScanner

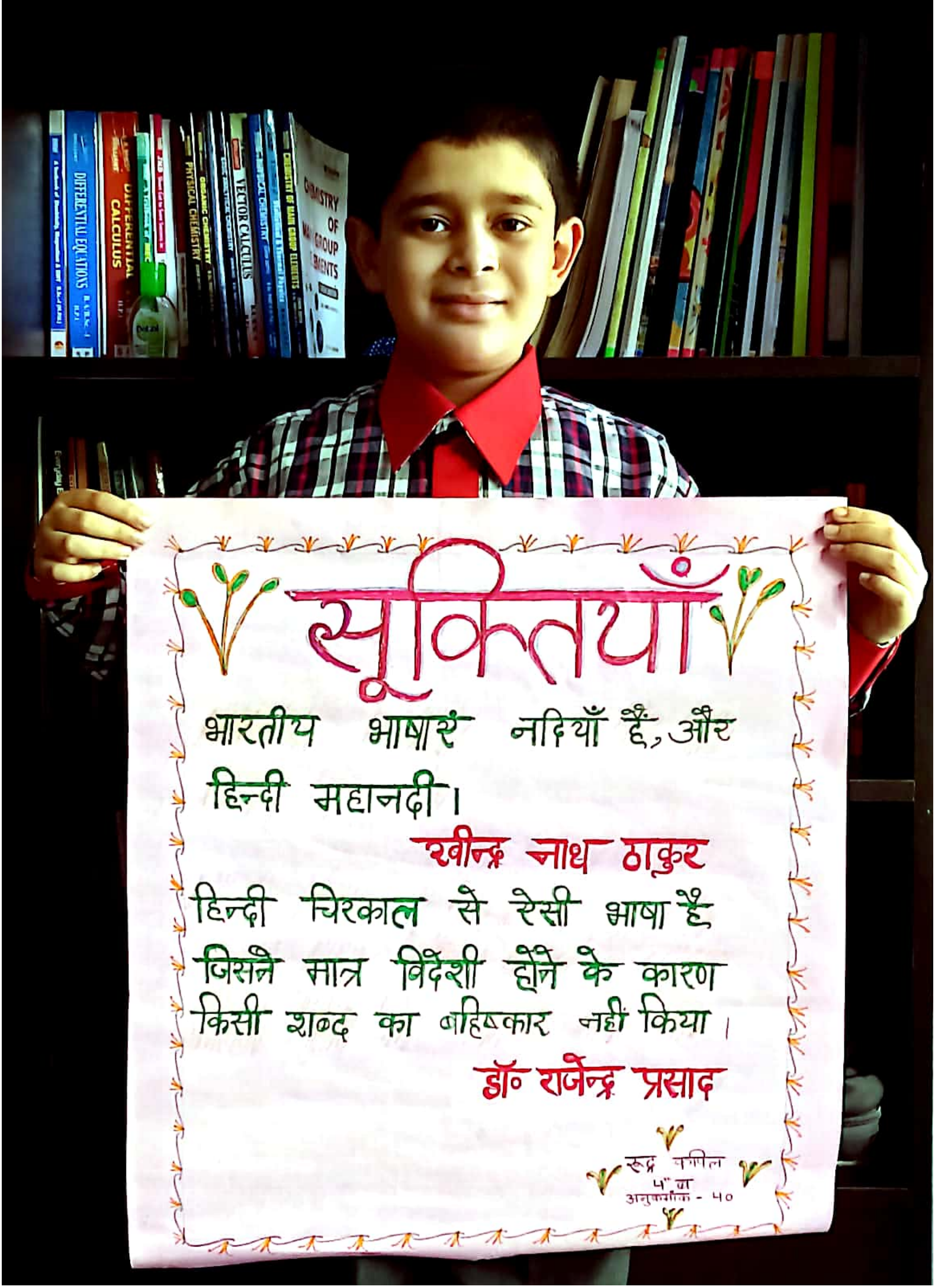

Scanned with CamScanner

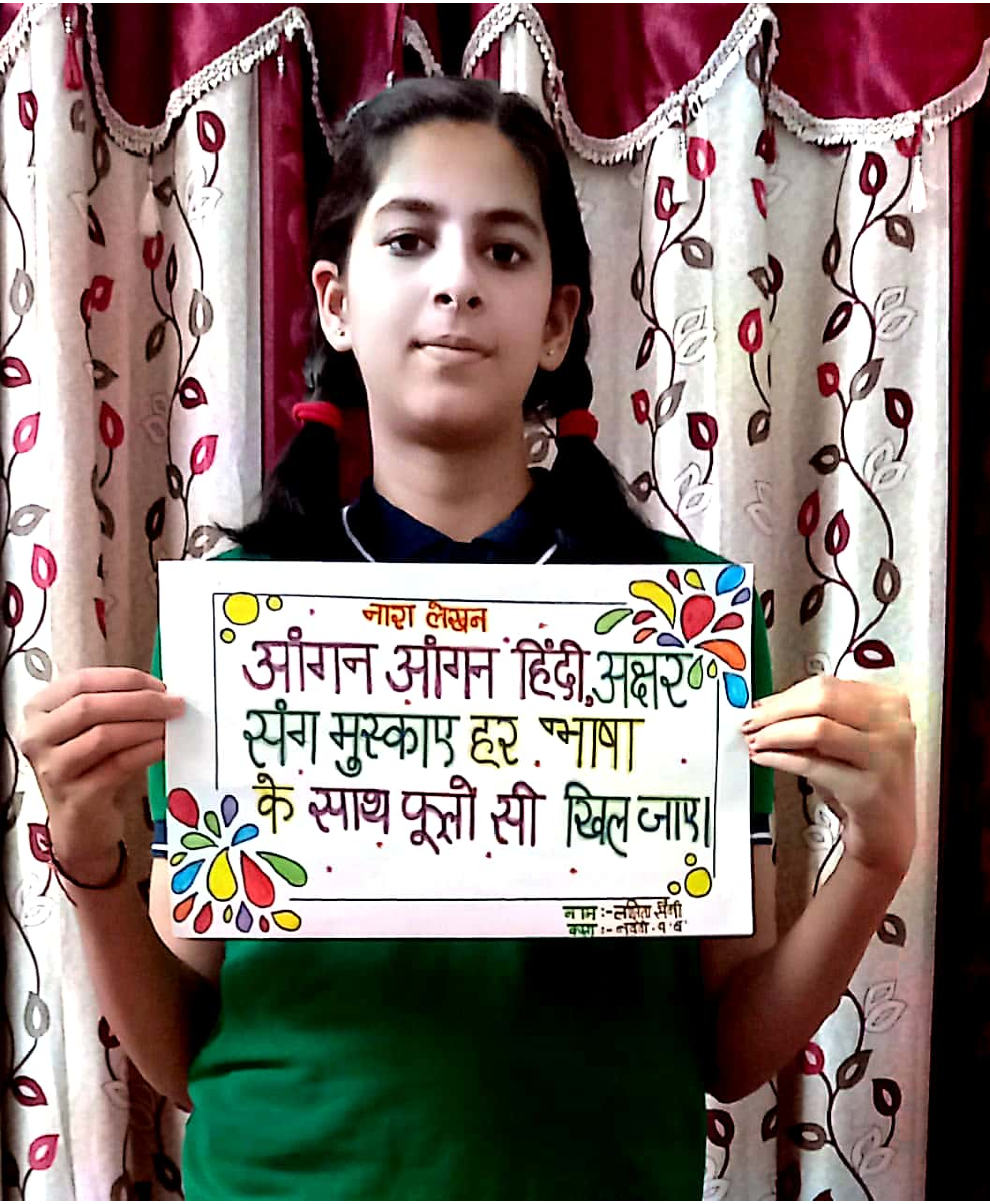

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

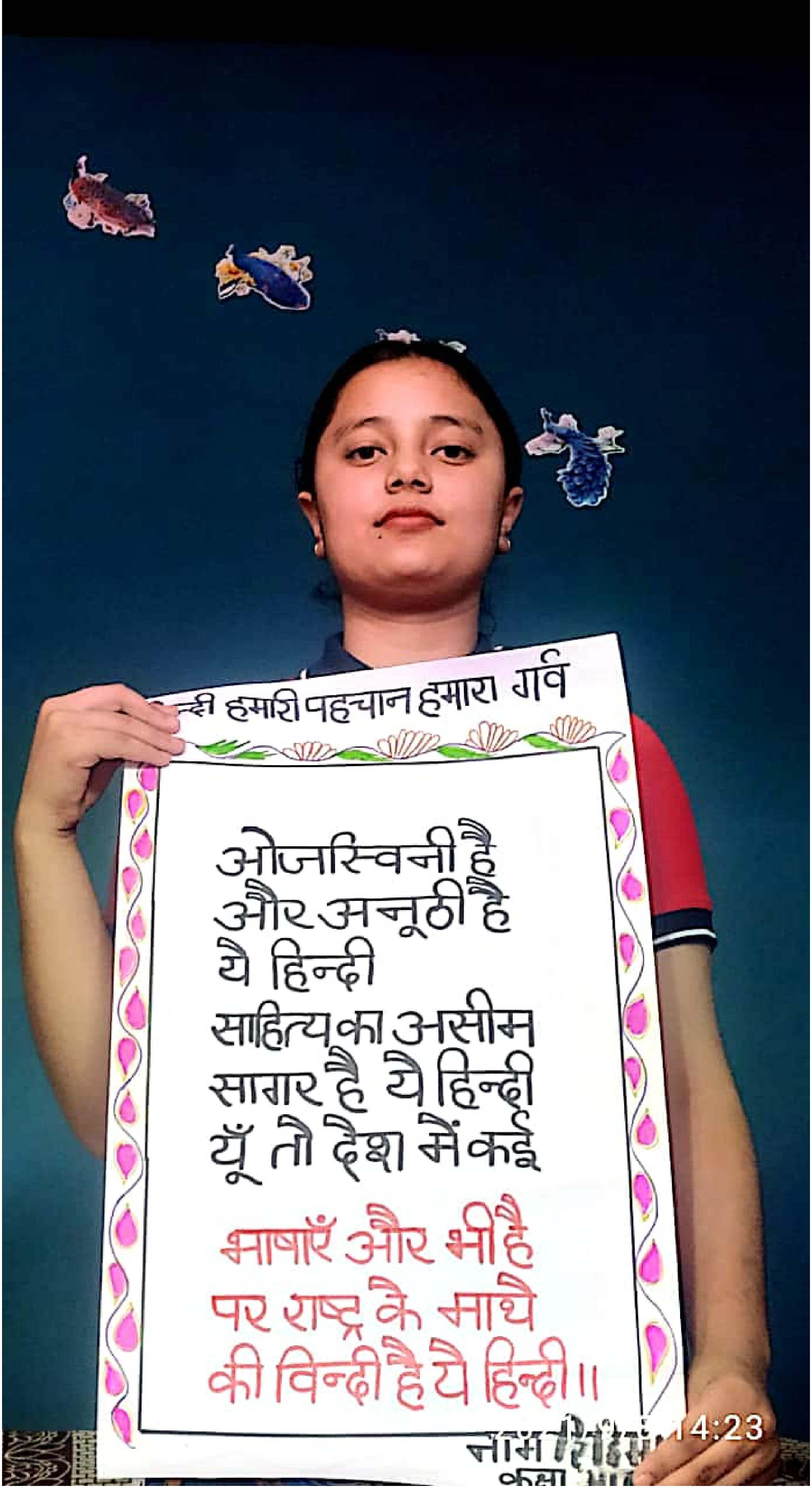

Scanned with CamScanner

आकर्षित ठाकुर छठी अ अनुक्रमांक 28

PAGE NO. :
DATE : / /

कोविड से जंग

कोरोना वायरस (कोविड-19) एक भयावह बिमारी का नाम है जो चीन के वुहान शहर से फैला था लेकिन अब यह कोरोना वायरस का से सक्रमण पुरी दुनियाभर में तेजी से फैल चुका है।

कोरोना से बचने के लिए हमने अलग-अलग उपाय किए जैसे गुनगुना पानी पीने की आदत डाली। हाथों को बार बार धोया, सफाई का पुरा ध्यान रखा, मास्क पहना और सामाजिक दूरी का पालन किया। इन उपायों का पालन करके हम अपने आप को हम कोरोना के संक्रमण से अपने आप को काफि हद तक बचा सकते है। सरकार ने भी इस महामारी से लड़ने के लिए कई प्रयास किए जो कि सफल भी हुये है। लेकिन अभी तक हम इस बिमारी से पुरी तरह से छुटकारा नहीं पा सके है। इस बिमारी से बचने के लिए हमे निरंतर परयास करते रहने पड़ेंगे।

घर पर रहे, सुरक्षित रहे

धन्यावाद

Scanned with CamScanner